Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

J—7908

PAPER—III

VISUAL ARTS

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

VISUAL ARTS

दृश्य कलाएँ

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Art is a form of communication and obeys its own laws. As in language the creator is free to invent new forms and techniques through which he conveys his ideas - *the aim of art* being expression. Works of art are not just descriptive records of life, on the contrary each object is dynamic new reality, increasing life and the areas of our perception. The forms taken by a work of art is the result of its birth from the artists mind, a mind influenced by manifold experiences and also by irrational and subconscious elements older than the individual himself. The elements which go to make a work of art are thus selected from vast possibilities, and grow together in an inevitable relationship, this new metamorphosis of matter as art is the work of a human being, the artist.

It is easier to see the relationship between art and society when the period under discussion is already part of the past. Art objects in even the most original works possess the marks of the age. Similarly a work of art is also identified by its locale or environment. In past centuries people lived in comparative isolation and formulated art styles which came to be regarded as typical.

In historical times the greater portion of appreciation has been limited to contemporaneous art. This, of course is very important for it is very necessary for art to have a normal audience, to whom it is addressed and with whom it establishes a rapport. One cannot imagine Greek theatre or Indian classical dancing, or classical music of any kind without the audience for whom they were meant. In Indian aesthetics the rasika or connoisseur, has a place of honour. He is described as one who knows the arts and is a man of both sensibility and training. Beauty, says Coomar Swamy, is enjoyed only by those who are competent there to. He goes on to state that the capacity and genius necessary for appreciation is partly native and partly cultivated, "if the poet is born -so too is the rasika and criticism is akin to genius".

But as we know from the study of Art history taste itself changes from period to period and the development of art creates also the taste for its enjoyment. Thus we have specific periods like the Baroque or Rococo - when a special kind of taste animates the arts and becomes even a kind of social expression.

कला सम्प्रेषण का रूप है और उसके अपने नियमों का पालन करती है। जैसा कि भाषा में, सृजनकर्ता नये रूपों और तकनीकों, जिनके जरिये वह प्रेषित करता है, का अविष्कार करने में स्वतन्त्र है – कला का उद्देश्य क्योंकि अभिव्यक्ति है। कलाकृतियां जीवन के सिर्फ विवरणात्मक रिकार्ड नहीं हैं, इसके विपरीत, प्रत्येक वस्तु गतिशील नई वास्तविकता है, और जीवन व हमारे अवबोध के क्षेत्रों को बढ़ाती है। कलाकृतियों द्वारा लिया रूप, कलाकार के दिमाग से लिये उसके जन्म का परिणाम है, कलाकार का दिमाग बहुमुखी अनुभवों द्वारा प्रभावित होता है और अविवेकपूर्ण एवं खुद व्यक्ति से ज्यादा बड़े अवचेतन तत्वों द्वारा भी प्रभावित होता है। वो तत्व जो कलाकृतियों को बनाते हैं, विशाल सम्भाविताओं से चुने जाते हैं और अवश्यम्भावी सम्बन्ध में इकट्ठे विकसित होते हैं, कला के रूप में पदार्थ का यह नया रूपान्तरण मानव, कलाकार का काम है।

जब चर्चित काल पहले से ही पूर्वकाल का हिस्सा है तो कल एवं समाज में सम्बन्ध का अध्ययन करना ज्यादा आसान होता है। कलाकृतियां सर्वाधिक मौलिक कार्यों में भी आयु के चिन्ह को पार कर जाती हैं। इसी तरह से, कलाकृतियां अपने स्थान और वातावरण द्वारा भी पहचानी जाती है। पूर्व शताब्दियों में, लोग तुलनात्मक अलगाव में रहते थे और उन्होंनें ऐसे कला शैलियों को निर्मित किया जो ठेठ समझी जाने लगी।

ऐतिहासिक समय में, सराहना का बड़ा भाग समकालीन कला तक सीमित है। निश्चित रूप से, यह बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि कला के लिये सामान्य दर्शकों का होना बहुत आवश्यक है, जिन्हें वह सम्बोधित की जाती है और जिनके साथ वह घनिष्ठता स्थापित करती है। कोई, ग्रीक रंगमंच या भारतीय क्लासीकल नृत्य या किसी प्रकार के क्लासीकल संगीत की, बिना दर्शकों जिनके लिये वह होती है, कल्पना नहीं कर सकता है। भारतीय सौन्दर्यशास्त्र में, रसिक या क़दरदान का सम्मान का स्थान होता है। वह ऐसे व्यक्ति की रूप में वर्णित किया जाता है जो कलाओं को जानता है और जो संवेदान और प्रशिक्षण दोनों का व्यक्ति होता है। कुमारा स्वामी ने कहा है सुन्दरता का सिर्फ उनके द्वारा आनन्द लिया जाता है जो उसमें समर्थ हैं। वो आगे कहते हैं कि सराहना के लिये आवश्यक क्षमता और प्रतिभा आंशिक रूप से जन्मजात और आंशिक रूप से सृजित होती है, ''यदि कवि जन्मजात है – तो रसिक भी, और आलोचना प्रतिभा के समकक्ष होती है।''

परन्तु जैसा कि हम कला इतिहास के अध्ययन से जानते है रुचि काल प्रतिकाल बदलती है— और कला का विकास कला के आनन्द के लिये अभिरुचि सृजित भी करता है। अत: हमें विशिष्ट काल देखने को मिलते हैं जैसे, बेरोक या रोकोको – जब विशिष्ट प्रकार की अभिरुचि कलाओं को सजीव बनाता है और सामाजिक अभिव्यक्ति का प्रकार भी बन जाता है।

1. Explain the 'purpose of Art' in sociological context.

सामाजिक सन्दर्भ में 'कला का उद्देश्य' स्पष्ट कीजिये।

2. How do you justify the role of aesthetics in generating the interest in the appreciation of art ?

कला की सराहना में रुचि के सामान्यीकरण में 'एसथेटिकस्' की भूमिका आप किस प्रकार उचित सिद्ध करेंगे।

3. Highlight the inter relationship of visual arts with performing arts with the help of few selective examples.

कुछ चयनात्मक उदाहरणों की सहायता से विजुएल आर्टस् और परफोर्मिंग आर्टस् के अंतर सम्बद्ध पर प्रकाश डालिये।

4. Can subconscious strata of mind can effect the creative manifestations in wider context of the notion of beauty in various arts.

क्या दिमाग की अवचेतन परत, विभिन्न कलाओं में सौंदर्य की धारणा के व्यापक संदर्भ में सृजनात्मक प्रकटता को प्रभावित कर सकती है?

5. How do 'Form' can be treated as a determinant factor in the various mediums as exploited in creative arts ?

विभिन्न माध्यमों में निर्धारक कारक के रूप में रूप(फोर्म) को सृजनात्मक कलाओं में अवशोषित के रूप में किस प्रकार लिया जा सकता है?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. Compare the painting styles of Jamini Roy and Raja Ravi Varma.

जेमिनी रॉय और राजा रवि वर्मा की चित्रकला शैलियों की तुलना कीजिये।

7. Evaluate critically The Miniature Paintings of the Jehangir Period.
जहांगीर काल की लघु चित्रों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये।

8. Picasso's contribution to Cubism.
धनवाद (क्युबिज्म) में पिकासो का योगदान।

9. Discuss the relation of Applied Art and Industry.
अनुप्रयुक्त कला और उद्योग के सम्बद्ध की विवेचना कीजिये।

10. What do you understand by Direct Mail ? Explain.
डायरेक्ट मेल से आप क्या समझते है? स्पष्ट कीजिए।

11. Define and explain the role of "Design" in an advertisement.
विज्ञापन में 'डिजाइन' की भूमिका को परिभाषा सहित स्पष्ट कीजिये।

12. What is meant by Conceptual Art ?
प्रत्ययात्मक (कनसेप्च्युल) आर्ट का क्या अभिप्राय है?

13. Name two earlier sculptors whose work influenced Rodin's style.
दो प्रारम्भिक शिल्पकारों का नाम बताइये जिनके कार्य ने रोदां की शैली को प्रभावित किया।

14. In what respect the Post Impressionism defers from Impressionism ?
उत्तर प्रभाववाद किस मायने में प्रभाववाद से भिन्न है?

15. Explain the functions of Acquatint Box.
एक्वेटिंट बाक्स के प्रकार्य स्पष्ट कीजिये।

16. How mono print is different from mono type print ?
मोनो प्रिंट किस प्रकार मोनो टाइप प्रिंट से भिन्न है?

17. What is the importance of using rollers of different hardness ?
भिन्न कड़ाई के रोलरस् के इस्तेमाल का महत्व क्या है?

18. Explain in detail the whole process of metal casting with the help of diagram.
धातु ढ़लाई की सम्पूर्ण प्रक्रिया को आरेखों की सहायता से विस्तार से समझाइये।

19. What is the difference in Monumental and Non-Monumental Sculpture. Explain with reference.

मोनुमेंटल और नॉन-मोनुमेंटल शिल्पकला में क्या अन्तर है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिये।

20. Explain the different characteristics of sculptures done in Sunga and Kushan period.

सुंग और कुषाण काल में बनाये शिल्पकला की भिन्न विशेषतायें स्पष्ट कीजिये।

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I
विकल्प – I

DRAWING AND PAINTING
ड्राईंग और पेन्टिंग

21. Write a brief note on the rock paintings of Bhim betaka ?
भीमबेटका की रॉक पेंटिंगों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

22. Compare the technique of wall paintings in Ajanta and the Jaipur fresco-style Ala-gila.
अजन्ता में दिवाल चित्रों और जयपुर भित्ति-शैली (अला-गिला) की तकनीक की तुलना कीजिये।

23. Write a brief note of art of Satish Gujral.
सतीश गुजराल की कला पर संक्षिप्त नोट लिखिये।

24. What is the contribution of Amrita Shergil in the development of Modern Painting in India ?
भारत में आधुनिक चित्रकला के विकास में अमृता शेरगिल का योगदान क्या है?

25. Compare the works of Ram Kumar and Krishna Khanna ?
राम कुमार और कृष्ण खन्ना के कार्यों की तुलना कीजिये।

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प – II

ART HISTORY

कला-इतिहास

21. Write your views on the nineteenth century Indian painting under the British domination and the impact of colonization on the Bengal School of revivalists.

ब्रिटिश प्रभुत्व के अन्तर उन्नीसवीं शताब्दी की भारतीय चित्रकला पर और पुनरुत्थानवादियों के बंगाल सम्प्रदाय पर उपनिवेशवाद के प्रभाव पर अपने विचार लिखिये।

22. "Two - Dimensional representation in the Indian pictorial tradition was a boon, not a curse". Critically evaluate this viewpoint with the formation of stylistic conventions in any one of specific school/style of your choice.

''भारतीय चित्रोपम परम्परा में द्वि-आयामी निरूपण वरदान है, शाप नहीं।'' इस दृष्टिकोण का, अपनी पसन्द के किसी एक विशिष्ट सम्प्रदाय/शैली में शैलीगत परम्पराओं के निर्माण के साथ आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये।

23. What features of Turners'work were most influential in liberating painting from the Tradition ?

टर्नर के काम की कौनसी विशेषतायें चित्रकला को परम्परा से स्वतन्त्र करने में सर्वाधिक प्रभावी थी?

24. Discuss the role of 'chance' in both Dada and Surrealist movements. What connection do you see between the Dada movement and art movements today in the west ?

दादा और अतियथार्थवादी आन्दोलनों में 'चांस' (अवसर) की भूमिका की विवेचना कीजिये। पश्चिम में आज कला आन्दोलन और दादा आन्दोलन के बीच आप क्या सम्बद्ध देखते हैं?

25. Can we bring the regional art practices in main stream cultural context with post - modernistic sensibilities. Stress this point with the help of selective artists of your choice.

क्या हम सांस्कृतिक संदर्भों की मुख्यधारा से सम्बद्ध प्रादेशिक कला परिपाटियों को उत्तर आधुनिक में ला सकते हैं। अपनी पसन्द के कलाकारों की सहायता से इस बात पर बल दीजिये।

OR / अथवा

Elective - III
विकल्प – III

SCULPTURE
शिल्प कला

21. Name a few sculptor's who have used fibre glass profusely, describe their works.
कुछ शिल्पकारों का नाम बताइयें जिन्हें फाइबर ग्लास का बहुतायत में उपयोग किया है, उनके कार्यों की व्याख्या कीजिये।

22. Describe how industrialisation brought out changes in sculptor all around the world.
किस प्रकार औद्योगिकीकरण समस्त विश्व में शिल्पकला में कला सम्बद्धी परिवर्तन लाया, व्याख्या कीजिये।

23. Name a few figurative sculptors and describe their works refering to their mediums.
कुछ आकृतिमूलक शिल्पकारों के नाम बताइये और उनके माध्यम के सम्बद्ध में उनके कार्यों की व्याख्या कीजिये।

24. Why Bronze has always remained important in the history of sculpture ? Emphasise medium wise.
शिल्पकला के इतिहास में कांसा क्यों महत्वपूर्ण बना रहा है? माध्यम अनुसार बल दीजिये।

25. Differentiate between the stone sculptures of Balbir Singh Katt and Ramesh Pateria.
बलबीर सिंह कट्ट और रमेश पटेरिया के प्रस्तर शिल्पकारों में अन्तर स्पष्ट कीजिये।

OR / अथवा

Elective - IV
विकल्प – IV

PRINT MAKING
छापा-कला

21. Give a comparative account of prints by Deepak Banerjee.
दीपक बैनर्जी के छाप चित्रों का तुलनात्मक विवरण दीजिये।

22. What are the basic principles of different printing processes ? Explain briefly ?
विभिन्न छापा चित्रण प्रक्रियाओं के मूल सिद्धान्त क्या हैं? संक्षेप में स्पष्ट कीजिये।

23. What is original print ? Explain from the beginning up to the signing prints.
मौलिक छापा चित्र क्या है? प्रारम्भ से हस्ताक्षर करने तक स्पष्ट कीजिये।

24. Explain the difference between etching and engraving.
एचिंग और एनग्रेविंग के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिये।

25. How the workshops of Lalit Kala Academy are helping the print making in India and abroad ?
ललित कला एकेडमी की कार्यशालायें भारत और विदेश में छापा चित्रण में किस प्रकार सहयोग कर रहीं हैं?

OR / अथवा

Elective - V

विकल्प – V

APPLIED ARTS

उपयोजित कला

21. What is Consumer Behaviour ? Explain the importance of understanding consumer behaviour for a visualiser.
उपभोक्ता व्यवहार क्या है? विजुएलाइज़र के लिये उपभोक्त व्यवहार को समझने के महत्व को स्पष्ट कीजिये।

22. What is the difference between "Marketing Research" and ''Creative Research'' ? Do you think advertising increases the prices of the product ?
''विपणन शोध'' और ''सृजनात्मक शोध'' के बीच क्या अन्तर है? क्या आप सोचते हैं कि विज्ञापन उत्पाद की कीमत में वृद्धि करता है?

23. Why and how does the Advertising Art connect us with employment ? Explain.
'क्यों और कैसे विज्ञापन कला हमें रोजगार से जोड़ती है? स्पष्ट कीजिये।

24. What is the importance of research for product in market ? Explain with the examples.
बाजार में उत्पाद के लिये शोध का क्या महत्व है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिये।

25. Discuss the importance of art in Exhibition Display.
एक्सीबीशन डिसप्ले में कला के महत्व की विवेचना कीजिये।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. (a) Critically analyse the pictorial conventions evolved by the impressionists and to what extent they paved the way for the birth of Modern Art in West ?

प्रभाववादियों द्वारा विकसित चित्रोपम परम्पराओं का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिये और किस सीमा तक वे पाश्चात्य में आधुनिक काल के जन्म के लिये रास्ता बनाया।

OR / अथवा

(b) Write an essay on art market scenario in India, today.

भारत में आज कला बाज़ार दृश्य पर निबन्ध लिखिये।

OR / अथवा

(c) Write an essay on the trends in Advertising in past and present.

पूर्व काल और वर्तमान काल में विज्ञापन में प्रवृत्तियों पर निबन्ध लिखिये।

OR / अथवा

(d) Describe the evolution of Indian sculpture since the Independence. All the important sculptors and their specific contributions must be mentioned.

स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद से भारतीय शिल्पकला के विकास की व्याख्या कीजिये। सभी महत्वपूर्ण शिल्पकार और उनके विशिष्ट योगदान का जिक्र करना है।

OR / अथवा

(e) Write an essay on original graphic prints vs the reproduction in the modern times.

मौलिक छाया चित्र बनाम आधुनिक समय में पुनरोत्पादन पर निबन्ध लिखिये।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....